Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 41 , 04 नवम्बर, शनिवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

यौन हत्या अन्य जघन्य अपराधों से भी बदतर : अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने एक व्यक्ति को नाबालिग से बलात्कार के जुर्म में 14 साल की सजा सुनाते हुए कहा है कि यौन अपराध हत्या एवं अन्य जघन्य अपराधों से भी बदतर हैं क्योंकि ऐसे मामलों में हमला न केवल पीड़िता के शरीर पर बल्कि उसकी आत्मा पर भी होता है।अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सीमा मैनी ने कहा कि शारीरिक घाव समय बीतने के साथ और इलाज कराने पर भर जाते हैं लेकिन मस्तिष्क एवं आत्मा पर लगे घाव बने रहते हैं,कचोटते रहते हैं और सालों तक बने रहते हैं, ऐसे घाव पीड़िता के मन को बार बार व्यथित करते हैं और उसकी सारी अच्छी यादें छूमंतर हो जाती हैं। न्यायाधीश ने उत्तरी दिल्ली निवासी संतोष कुमार को 10 साल की लड़की से बलात्कार करने का दोषी ठहराते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने बाल यौन अपराध संरक्ष कानून के तहत पीड़िता को दो लाख रपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया और कहा कि वह अपना बचपन, अपनी चंचलता और जीवन के प्रति मुस्कान गंवा बैठी। बचाव पक्ष के वकील ने जब अपने मुवक्किल की पारिवारिक जिम्मेदारी का हवाला देकर नरमी बरतने की अपील की तब अदालत ने कहा, मेरी राय में ऐसे यौन अपराध हत्या.गैर इरादतन हत्या से भी बदतर है क्योंकि ऐसे मामलों में हमला न केवल पीड़िता के देह पर बल्कि उसकी आत्मा, मस्तिष्क और पूरे व्यक्तित्व पर होता है। पुलिस के अनुसार कुमार ने 2015 में अपने पड़ोस की इस लड़की को लालच दकर अपने कमरे में बुलाया और उससे बलात्कार किया।

तीसरी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

नई दिल्ली। बेगमपुर क्षेत्र में मकान में काम करने के दौरान मजूदर तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया। गंभीरावस्था में मजदूर को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक की शिनाख्त भारत लाल (40) के तौर पर हुई । पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। भारत लाल परिवार के साथ रोहिणी सेक्टर-9 में रहता था और मजदूरी करता था। अपरानि लगभग 12.40 बजे पुलिस को सूचना मिली कि रोहिणी सेक्टर-22 स्थित एक मकान की तीसरी मंजिल से एक मजदूर नीचे गिर गया है। मौके पर पहुंची पुलिस घायल को नजदीकी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दस पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस दर्ज बलकेश मीणा हत्याकांड प्रकरण

जयपुर। फाइल सीबीआई को भेजी राजस्थान पुलिस के डिप्टी एसपी, एक इंस्पेक्टर सहित 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ सीकर जिले के नीम का थाना में दर्ज हत्या के मामले की जांच की फाइल पुलिस मुख्यालय ने सीबीआई को भेज दी है। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई की ओर से मामला दर्ज करने के बाद भी पुलिस मुख्यालय मामले से जुड़ी फाइल सीबीआई को नहीं भेज रही थी। इस पर परिजन हाईकोर्ट गए। जहां से पुलिस अफसरों को फाइल सीबीआई को भेजने के निर्देश दिए गए। इसके बाद भी फाइल सीबीआई को नहीं भेजी गई। तब परिजनों ने अवमानना की याचिका लगाई। तब पुलिस मुख्यालय ने दो दिन पहले फाइल सीबीआई को भेज दी। मामले की जांच सीबीआई दिल्ली ब्रांच के डिप्टी एसपी अजय कुमार बिस्सा कर रहे हैं। गत वर्ष 7 अप्रैल को नीम का थाना पुलिस ने नयाबास निवासी बलकेश मीणा को चोरी के मामले में पकड़कर थाने लाई थी। रिमांड के दौरान बलकेश की पुलिसकर्मियों ने थाने में पिटाई की। जिससे उसकी तबियत खराब हो गई। जिसे नजदीक अस्पताल लेकर गए, जहां से सवाई मानसिंह अस्पताल में रेफर किया।

सिद्धारमैया सरकार ने भ्रष्टाचार के तोड़े रिकार्ड

कर्नाटक विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकते हुए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने बृहस्पतिवार को सिद्धरमैया सरकार पर जोरदार हमला किया और उस पर भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने टीपू जयंती मनाने के लिए उसकी आलोचना की। भाजपा प्रदेश इकाई के चेहरे बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में 75 दिवसीय यात्रा को यहां एक रैली में रवाना करते हुए शाह ने कहा कि यह सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी और कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर कर देगी। विधानसभा चुनाव अगले साल होना है जिसमें भाजपा पांच साल के अंतराल के बाद वापसी की उम्मीद कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया नोटिस,

बैंक-टेलिकॉम कंपनियों को दिया निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आधार कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने और बैंक खातों और मोबाइल नंबरों को 12 अंकों के बायोमेट्रिक पहचान संख्या से जोड़ने के खिलाफ दायर चार याचिकाओं पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने इस मामले में यह कहते हुए कोई अंतिरम आदेश नहीं दिया कि आधार से संबंधित सारे मामलों पर संविधान पीठ नवंबर के अंतिम सप्ताह में सुनवाई शुरू करेगी। केंद्र पहले ही समय सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ा चुका है। जस्टिस ए के सीकरी और जस्टिस अशोक भूषण की पीठ ने यह कहा कि बैंक और टेलिकॉम कंपनियों को अपने ग्राहकों को भेजे जा रहे संदेशों में बैंक खातों और मोबाइल नंबरों को आधार से जोड़ने की अंतिम तारीख के बारे में जानकारी देने चाहिए। पीठ ने कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि बैंक और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा अपने ग्राहकों को भेजे जा रहे संदेशों में यह बताना होगा कि बैंक खातों और मोबाइल नंबरों को आधार से जोड़ने की अंतिम तिथि क्रमशः 31 दिसंबर, 2017 और छह फरवरी, 2018 है। एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने केंद्र के हालिया हलफनामे का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि आधार को जोड़ने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 31 मार्च 2018 की जा सकती है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मुद्दे को उस पीठ के समक्ष उठा सकते हैं जो आधार से संबंधित सारे मामलों पर नवंबर के अंतिम सप्ताह में सुनवाई करेगी।

पीठ ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन सारे तर्कों पर विचार की आवश्यकता है। मामला नवंबर के अंतिम सप्ताह में सुनवाई के लिए आ रहा है और बैंक खातों को आधार से जोड़ने की समय सीमा 31 दिसंबर तक बढा दी गई है। चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने 30 अक्तूबर को कहा था कि संविधान पीठ गठित की जाएगी जो नवंबर के अंत में आधार से संबंधित सारे मामलों की सुनवाई करेगी। हाल ही में नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने अपनी व्यवस्था में कहा था कि निजता का अधिकारी संविधान के तहत मौलिक अधिकार है।

आधार की वैधता को चुनौती देने वाली अनेक याचिकाओं में दावा किया गया था कि इससे उनके निजता के अधिकार का हनन होता है। इस बीच, केंद्र ने 25 अक्तूबर को शीर्ष अदालत को सूचित किया था कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आधार को जोड़ने की अनिवार्य की अवधि उन लोगों के लिये 31 मार्च, 2018 तक बढ़ा दी गई है जिनके पास आधार नहीं है और जो इसके लिये पंजीकरण कराने के इच्छुक हैं।

दूसरी ओर केंद्र सरकार ने मोबाइल नंबर को आधार से लिंक करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है। इसमें कहा गया है कि उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी वेरिफिकेशन के तहत 6 फरवरी, 2018 तक अपना मोबाइल नंबर आधार के साथ लिंक कराना अनिवार्य होगा। ऐसा ना करने पर आपकी मोबाइल सेवाएं बाधित हो सकती हैं। वहीं, नया बैंक अकाउंट ओपन कराने के लिए भी आधार अनिवार्य है।

सरकार नहीं बदल सकती अंतिम तारीख

सरकार ने कहा है कि मोबाइल नंबर को आधार से लिंक कराने की अंतिम तारीख (6 फरवरी) सरकार नहीं बदल सकती है क्योंकि इसे सुप्रीम कोर्ट ने तय किया है। साथ ही यह भी बताया कि आधार को अपने बैंक खातों के साथ लिंक कराने की आखिरी तारीख 31 मार्च कर दी गई है। आपको बता दें कि इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से 4 हफ्तों में जवाब मांगा था, जिसमें पूछा गया था कि आधार को मोबाइल नंबर से क्यों लिंक कराया जाना चाहिए?

सरकार ने आधार को बताया सुरक्षित

सरकार ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में साइबर हमलों से कई देश प्रभावित हुए हैं। लेकिन ड्ढष्ठड्ढ और इसके किसी भी सर्वर पर हैकिंग या डाटा लीक होने की कोई भी घटना सामने नहीं आई है।

ध्यान रखें ये जरूरी बातें

सबसे जरूरी बात यह है कि आपका मोबाइल नंबर आधार से किसी भी तरह से घर बैठे लिंक नहीं होगा। ऐसे में अगर कोई दावा करे कि वो आपका नंबर आधार से लिंक करा देगा तो इसे नहीं मानें। ऐसा इसलिए क्योंकि आधार से मोबाइल नंबर लिंक करने के लिए आपकी बायोमेट्रिक डिटेल्स की जरूरत होगी और इसके लिए आपका होना जरूरी है। इसके बाद जैसे ही आपको आपके सेवा प्रदाता का एसएमएस मिले कि आप अपना E-KYC अपडेट करा लें, वैसे ही आप कंपनी स्टोर पर चले जाएं। अगर आपको अब तक कोई एसएमएस नहीं आया है तो इस बारे में कस्टमर केयर कॉल कर के पता करें।

आपका मोबाइल नंबर ऐसे होगा आधार से लिंक

कंपनी स्टोर जाकर एग्जीक्यूटिव को अपना मोबाइल नंबर और आधार कार्ड की डिटेल्स दें। वेरिफिकेशन के बाद आपके मोबाइल पर एक वेरिफिकेशन कोड आएगा। इसे एग्जीक्यूटिव को बताकर कन्फर्म करें। इसके बाद आपकी बायोमेट्रिक डिटेल्स ली जाएंगी। 24 घंटे के भीतर आपको एक और वेरिफिकेशन कोड आएगा। आपको इस मैसेज का जवाब ड्ड्द्धद्ध्य (ड्ड) में देना होगा। इस तरह आपका आधार आपके मोबाइल नंबर से लिंक हो जाएगा।

गुजरात चुनावः

राहुल गांधी से मिले जिग्नेश मेवाणी, कहा- वह हमारी मांगों से सहमत

नई दिल्ली। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने गुजरात दौरे के आखिरी दिन दलित नेता जिग्नेश मेवानी से मुलाकात की।

मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए जिग्नेश ने बताया कि राहुल गांधी उनकी मांगों से सहमत हैं। उन्होंने बताया कि मुलाकात के दौरान राहुल ने हमारी मांगों को सही करार देते हुए कहा है कि हमारी मांगें सिर्फ मांगें नहीं बल्कि हमारा संवैधानिक अधिकार हैं, और हमारी मांगों को मेनिफेस्टो में शामिल किया जाएगा। जिग्नेश ने दूसरी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी और दूसरी पार्टियों की सोच में अंतर है दूसरी पार्टियां तो बात तक नहीं सुनती हैं। साथ ही जिग्नेश ने कहा कि अगर कांग्रेस उनकी मांगें मान लेती है, तो वे बाहर से समर्थन देने को तैयार हो सकते हैं।

बता दें कि राहुल पिछले तीन दिन से गुजरात दौरे पर हैं और आज उनके दौरे का आखिरी दिन था। आज वो गुजरात के नवसारी जिले में मौजूद थे। इस दौरान राहुल ने लोगों को संबोधित करते हुए दूसरी पार्टियों पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि पता नहीं भारत में ईंधन के दाम लगातार बढ़ने का कारण क्या है जबकि दूसरे देशों में दाम घट रहे हैं। गुजरात में होने वाले चुनाव को लेकर राहुल ने कहा कि हम गुजरात के मन की बात सुनेंगे।

बंद हुए नोटों पर सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ करेगी विचार

नई दिल्ली। चलन से बाहर हुए नोटों को जमा करने की अनुमति के लिए दायर 14 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की। मामले का निस्तारण करते हुए कोर्ट ने कहा कि नोटबंदी के केंद्र के फैसले की वैधता के साथ ही सभी पहलुओं पर पांच सदस्यीय संविधान पीठ विचार करेगी। प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चन्द्रचूड़ की पीठ ने कहा कि संविधान पीठ ने उन लोगों की व्यक्तिगत याचिकाओं पर भी विचार करेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जो तय समय सीमा में पुराने नोट जमा नहीं करा सके थे। याचिका दायर करने वाले कुछ लोगों का कहना है कि उन्होंने आरबीआई अधिनियम या केंद्र की आठ नवंबर 2016 की अधिसूचना की संवैधानिक वैधता को चुनौती नहीं दी है बल्कि वह अपने पास रखे चलन से बाहर हुए नोट जमा कराना चाहते हैं।

एक याचिकाकर्ता के वकील प्रणव सचदेवा का कहना था कि विधि सम्मत प्रक्रिया के बगैर हमारी मेहनत की कमाई जब्त कर ली गई है और हमें समुचित अवसर भी नहीं दिया गया। पीठ ने याचिका दायर करने वालों से कहा कि वह लंबित याचिकाओं में दो-तीन पन्नों की अर्जी दें, जिन पर संविधान पीठ बाद में सुनवाई करेगी। इसके साथ ही न्यायालय ने 14 व्यक्तिगत याचिकाओं का निबटारा कर दिया।

ब्लैक लेदर गैंग ने मचाया आतंक

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच ''ब्लैक लेदर गैंग'' ने अपना अलग आतंक मचा रखा है। बीते कुछ समय के भीतर ही लूट और झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने वाले इस गैंग ने अपनी करतूत से पूरी दिल्ली में सनसनी मचा दी है।

दो मोटरसाईकिल पर चलने वाले चार बदमाशों की पहचान उनके द्वारा पहने जाने वाली काली लेदर जैकेट है। काली लेदर जैकेट पहनने के कारण ही उन्हें ''ब्लैक लेदर गैंग' के नाम से जाना जाने लगा है।

इनके शिकार हुए पीड़ितों के मुताबिक ये बदमाश हथियारबंद होते हैं और पिस्टल की नोक पर लूटपाट करते हैं।

इनके हौसले इतने बुलंद हैं कि ये अतिसुरक्षित इलाकों और पुलिस थानों के पास भी वारदात को अंजाम देने से नहीं हिचकते।

पुलिस के पास कई इलाकों में इनके खिलाफ दर्ज हुए कई मामलों ने पुलिस की नींद उड़ा दी है। फिलहाल दिल्ली के कई जिलों की पुलिस को इनकी तलाश है।

एक जैसे लूट के कई मामले हुए दर्ज : पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस गैंग की एक घटना 31 अक्टूबर को इंदलोक की है, जहां से एक मोटरसाईकिल लूटी गई थी। इसके चंद घंटे बाद ही मध्य और उत्तरी दिल्ली इलाकों में आधा दर्जन से भी ज्यादा लूट व झपटमारी की वारदातों के बारे में शिकायत दर्ज कराई गई। सभी दर्ज मामलों में पीड़ितों के बयान के आधार पर एक बात सामान्य लगी कि इन वारदातों में दो मोटरसाईकिल पर सवार चार बदमाशों ने पिस्टल की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। साथ ही सभी ने काले रंग की लेदर की जैकेट पहनी हुई थी।

पिछले दिनों हुई लूट की घटनाओं में शामिल होने का दावा,पुलिस की उड़ाई नींद
दो मोटरसाईकिल पर सवार चार बदमाशों ने पिस्टल की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। साथ ही सभी ने काले रंग की लेदर की जैकेट पहनी हुई थी।

कहां-कहां हुई वारदात : पुलिस में दर्ज पीड़ितों के बयान के मुताबिक इस गैंग ने राजेंद्र नगर इलाके में अपने बच्चे को स्कूल पहुंचाकर घर लौट रहे एक शख्स की सोने की चेन झपट ली जिसके बाद करोल बाग इलाके में एक रिटार्यड बैंककर्मी से पता पूछने के बहाने रोककर पिस्टल की नोक पर नगद समेत सोने की चेन, सोने का कड़ा आदि लूटकर फरार हो गए। उधर ऐसी ही वारदात रंजीत नगर इलाके से भी आई।

पुलिस थाने के पास वारदात को दिया अंजामः इस गैंग के बदमाशों के हौसले इतने बढ़े हुए हैं अतिसुरक्षित जगहों और पुलिस थानों के पास भी वारदात को अंजाम देने से नहीं हिचकते।

दिल्ली विविद्यालय नॉर्थ कैंपस में इस गैंग ने लगातार दो वारदात को अंजाम दिया। डीयू स्थित जीसी नारंग रोड स्टेडियम के गेट के पास एक प्रॉपर्टी डीलर राजीव राणा के गले से सोने की चेन झपटकर चारों बदमाश फरार हो गए। वहीं दौलतराम कॉलेज के पास माल रोड निवासी रजत सेठी को सुबह करीब 6 बजे सौर के दौरान ब्लैक लेदर गैंग ने पिस्टल की नोक पर लूटपाट करते हुए कटर से उनका सोने का कड़ा काट लिया और अंगुठियां उतारकर आराम से फरार हो गए। खास बात ये है कि सारी वारदात मौरिस नगर थाने के पास घटी।

रात में भी मचा रहे कोहराम : सिविल लाइंस इलाके में भी बुधवार रात मोनेस्ट्री मार्केट के सामने भी ऐसी ही वारदात देखने को मिली जहां बदमाशों ने सरेराह रोहिणी निवासी शर्मिली (43) नामक महिला से पिस्टल की नोक पर लूटपाट करते हुए सोने की दो चेन, दो मोबाइल व पर्स लूट लिया।

रात करीब साढ़े 9 बजे घटना के बाद महिला ने सिविल लाइंस थाने में मामले की जानकारी देकर केस दर्ज कराया। उधर पुलिस ने वारदात के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे एक बाइक का नंबर प्राप्त कर लिया है आरोपियों की तलाश कर रही है।

डेंगू का नया वायरस, स्वास्य विभाग ने केंद्र को लिखा पत्र

स्वास्य मंत्री नड्डा के पास वक्त नहीं, हिमाचल चुनाव प्रचार में है व्यस्त

नई दिल्ली। पुणे स्थित नैशनल इंस्टिट्यूट अफ वायरलजी (लैब) ने इस वायरस की पुष्टि की है। इस वायरस का दक्षिणी राज्यों में गंभीर असर देखने को मिला है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने एक एडवाइजरी भी जारी की। जिसमें कहा है कि डेंगू के नए वायरस से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। दिल्ली सहित उत्तरी राज्यों में अभी तक इस तरह का एक भी केस सामने नहीं आया है।

एच1एन1, डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया से जूझ रहे राजधानीवासियों पर अब डेंगू के नए वायरस का खतरा बढ़ गया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के पास फिलहाल इस वायरस के तोड़ के लिए कोई वैक्सीनेशन टीका नहीं है। न ही ओरल ड्रग्स का ही प्रबंध किया है। स्वास्य सचिव ने इस मामले में केंद्रीय स्वास्य मंत्री जेपी नड्डा से बृहस्पतिवार को वक्त मांगा था, लेकिन वे हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार में व्यस्त बताए गए।

इस वजह से दिल्ली सरकार ने केंद्रीय स्वास्य सचिव को पत्र लिखकर राजधानी की करीब पौने दो करोड़ आबादी के लिए नए वायरस की पहचान, रोकथाम एवं नैदानिक चिकित्सीय सेवाओं का प्रबंध करने का अनुरोध किया गया है।

तोड़ ढूंढने में लगेगा वक्त : राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान (एनआईसीडी) के वैज्ञानिक डेंगू के तीन वायरसों को बेअसर करने के लिए स्वदेशी वैक्सीन तैयार कर रहे हैं।

संस्थान के अतिरिक्त निदेशक डा. एचसी लाल ने कहा कि नए वायरस का तोड़ तलाशने में अभी वक्त लग सकता है। जिन राज्यों में इस वायरस के पोजिटिव मामले आए हैं वहां के मरीजों के लिए गए रक्त के नमूनों के साथ ही अन्य जरूरी जांच रिपोर्ट्स का अध्ययन करेंगे।

इसके उपरान्त वायरस पोजिटिव पाए जाने के बाद वह रक्त कोशिकाओं के किस सेल्स को सबसे पहले क्षतिग्रस्त कर बीमार करता है, इसकी कल्चर रिपोर्ट के आधार पर ही वैक्सीन तैयार की जाएगी। अन्य देशों में फैला प्रकोप : यह वायरस साल 2005 में सिंगापुर में और 2009 में श्रीलंका में बेहद भयानक महामारी फैला चुका है। साथ ही वैज्ञानिकों ने बताया कि इसी तरह का वायरस 2012 में तमिलनाडु में और 2013 में केरल में बीमारी के प्रकोप का कारण था।कौन सा है वायरस : यह नया वायरस एशियन जीनोटाइप का है।

इसे डीईएन वन नाम से जाना जाता है। बताया जा रहा है कि भारत में डेंगू के 4 स्पष्ट वायरसों का संचार हो रहा है।

पहला है- डेंगू वायरस टाइप 1 (डीईएनवी-1), दूसरा है- डीईएनवी-2, तीसरा है- डीईएनवी-3 और चौथा है- डीईएनवी-4।

गंभीर परिणाम देखने को नहीं मिला :

एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि वायरस भारत में मिलने की दो ही वजह हो सकती हैं। या तो ये किसी देश से आया है या फिर दक्षिण के ही किसी राज्य में यह उत्पन्न हुआ है। हालांकि ये वायरस जानलेवा नहीं है। साथ ही इसके गंभीर परिणाम देखने को नहीं मिले हैं। इसलिए लोगों को ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है लेकिन सतर्कता जरूर बरतने की आवश्यकता है।

झारखंड न्युज

पांच वारंटी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

झारखंड। चतरा जिला के टंडवा स्थानीय पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर पाँच वारंटी अभीयुक्तो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।जिसमें टंडवा थाना कांड संख्या66/09के टंडवा निवासी अवध पासवान,गडिलौंग निवासी विनय कुमार चौरशिया, मनोज राणा एवं कांड संख्या 113/14 के तहत सड़क जाम कर आवागमन बाधित करने के जुर्म में गडिलौंग निवासी उत्तम चौरशिया,कामता गाँव निवासी नईमुद्दीन अंसारी, एव अवध राज का नाम शामिल है।अवध राज दोनों कांड का अभियुक्त था।इन सभी अभियुक्तों का न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था।जिसके तहत स्थानीय पुलिश ने छापामारी अभियान चलाकर गिरफ्तार किया गया है।वही छापामारी अभियान एसआई एनएन तिवारी के नेतृत्व में चलाया गया।

दूसरी शादी करना पडा आईएएस ऑफिसर को महंगा, केंद्र ने माँगा जवाब

झारखंड। कोडरमा जिला के उपायुक्त 2012 बैच के आईएएस ऑफिसर संजीव कुमार बेसरा चर्चा में हैं। केंद्र सरकार ने संजीव बेसरा की दूसरी शादी को लेकर राज्य सरकार से कार्रवाई की जानकारी मांगी है। इसके लिए केंद्र ने राज्य को पत्र लिखा है। केंद्र सरकार ने पत्र में पूछा है कि इस मामले को लंबे समय तक के लिए लटकाकर क्यों रखा गया है।

एडिशनल चीफ सेक्रेटरी करेंगे जांच

पत्र मिलने के बाद राज्य सरकार ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी इंदुशेखर चौधरी को इस मामले की जांच और रिव्यू करने का जिम्मा सौंपा है। चौधरी इस मामले की जांच करेंगे। संजीव बेसरा की पहली पत्नी सरिता सोरेन ने उनपर कई आरोप लगाए हैं। सरिता के आरोपों की जांच भी करवाई जाएगी। इसके बाद एडिशनल चीफ सेक्रेटरी जो रिपोर्ट सौंपेंगे उसी आधार पर राज्य सरकार कोडरमा के डिप्टी कमिशनर संजीव बेसरा पर कार्रवाई करेगी।आईएएस संजीव बेसरा की पहली पत्नी सरिता सोरेन ने पीएमओ में इस संबंध में शिकायत की थी। इसके अलावा उन्होंने शिकायत की कॉपी केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय को भी भेजी थी। शिकायत में सरिता सोरेन ने कहा था कि संजीव बेसरा ने बिना तलाक लिए ही दूसरी शादी कर ली है। इस मामले में उन्हें न्याय चाहिए। संजीव अपने पद का प्रभाव दिखाकर मुझे प्रताड़ित कर रहे हैं।

झारखंड में किसी आइएएस ऑफसर पर दूसरी शादी करने का यह पहला मामला है। कोडरमा के डिप्टी कमिश्नर आईएएस बनने से पहले डिफेंस अकाउंट्स सर्विस में थे। पहली शादी के बाद संजीव बेसरा ने स्टेफी टेरेसा मुर्मू से दूसरी शादी की है। इस शिकायत के कारण ही अब तक संजीव बेसरा की सर्विस कंफर्म नहीं की गई है। जब हमारा संवाददाता से बात चित हुई तो क्या बताये दूसरी शादी के बारे में उपायुक्त

आईएएस ने कहा, कस्टमरी लॉ के तहत हुए थे अलग

इस मामले में जब राज्य सरकार ने अपनी ओर से आईएएस ऑफिसर से जवाब मांगा तो उन्होंने कस्टमरी लॉ का हवाला दिया था। आईएएस ने कहा था कि वे संथालियों (संथाल परगना क्षेत्र में निवास करने वाले ट्राइबल्स) के बीच प्रचलित निजी कानून के तहत सरिता सोरेन से अलग हुए थे।

आजसू पार्टी के द्वारा जन परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया

झारखंड। आज आजसू पार्टी ने पाकुड़ विधानसभा अंतर्गत इस्लामपुर सह महराजपुर पंचायत में आजसू पार्टी महिला मोर्चा के बैनर तले पार्टी की महिला जिला उपाध्यक्ष रीमा बीबी के नेतृत्व में महिलाओं के बीच जन परिचय का कार्यक्रम किया गया।जिसमें ग्रामीण महिलाओं द्वारा बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया गया।तथा दर्जनों महिलाओ ने आजसू का दामन थामा।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला उपाध्यक्ष मिठू कुमार मंडल उपस्थित हुए।साथ ही प्रखण्ड उपाध्यक्ष - बादल ओझा, अरिंदम साहा, सयुक्त सचिव- राकेश कुमार महतो, संगठन सचिव -निताय सरकार , मिडिया प्रभारी- सोमू कुमार उपस्थित थे ।

सड़क हादसे में घायल एसडीओ के ड्राइवर के पुत्र की मौत

झारखंड। गुमला जिला के एसडीओ के ड्राइवर विनोद राम का बेटा संदीप कुमार (18 वर्ष) की सड़क हादसे में मौत हो गयी. शहर के बसंत गैरेज के पास एक ट्रैक्टर ने उसे धक्का मार दिया था. जिससे वह घायल हो गया. उसे दो बजे अस्पताल में लाया गया. स्थिति गंभीर थी. डॉक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया था. लेकिन आधा घंटे तक भी एंबुलेंस नहीं मिली. जिससे अस्पताल में ही उसकी मौत हो गयी. संदीप ड्राइवर विनोद का इकलौता पुत्र था।

विनोद रांची के रातू रोड, धोबी मुहल्ला निवासी हैं और फिलहाल गुमला में एसडीओ के आवास के समीप रहते थे. मृतक संदीप प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था. उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल ह।

एसडीओ के फोन करने पर भी समय से नहीं आयी एंबुलेंस

जानकारी के अनुसार संदीप बाइक में सवार होकर करौंदी से अपने आवास आ रहा था. बसंत गैरेज के पास अज्ञात ट्रैक्टर ने पीछे से धक्का मार दिया।

हाइवा की चपेट में आने से महिला घाटल

झारखंड : पलामू जिला के जपला मुख्य पथ में लटपौरी गांव में अपने घर के पास घरेलू कार्य मे जुटी महिला तेज गति से गुजर रही अनियंत्रित हाइवा -156792की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गयी है।

घायल महिला गांव के कृष्णा शर्मा की पत्नी फुलमतिया देवी है।महिला का दाहिना हाथ टूट गया है और अंदरूनी चोट लगा है। परिजन तुरन्त ही इलाज के लिए मेदिनीनगर ले गए।जहाँ डॉ अरुण शुक्ला के क्लिनिक में इलाज चल रहा है,स्थिति गंभीर है। ग्रामीणों ने बताया कि अनियंत्रित हाइवा सड़क से नीचे आ गया था,जिससे महिला को चोट लगी। ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गया था,ग्रामीणों की ततपरता से गांव के आगे माली रेलवे गेट के पास पकड़ में आया।

कट्टरता के लिए बदनाम एक बादशाह

औरंगदेब को एक दुष्ट बादशाह के रूप में याद किया जाता है, बहादुर और विवेकशील बादशाह के रूप में नहीं। औरंगजेब की जयंती पर विशेष

राजीव लोचन

आज के दिन, 399 साल पहले, राजकुमारी मुमताज महल को एक बेटा हुआ। राजकुमार खुर्रम की खुशी का ठिकाना न था। खुर्रम पिछले कुछ दिनों से बहुत खुश था। हाल ही में पिता बादशाह जहांगीर ने बहादुरी दिखाने के कारण उसे शाहजहां का खिताब दिया था। हर कोई अटकलें लगा रहा था कि अफीमची जहांगीर ने तय कर लिया है कि उसके बाद शाहजहां ही भारत की गद्दी पर बैठेगा। इसी खुशी में खुर्रम ने नवजात बेटे को गले लगाते हुए कहा, यह तो सिंहासन का आभूषण है- औरंगजेब। बाद में उलेमाओं की सलाह पर बच्चे का नाम मुईउद्दीन मुहम्मद रखा गया। पर वह औरंगजेब के नाम से ही ज्यादा जाना जाता रहा।

उसका जन्म गुजरात के पंचमहल इलाके के गांव दाहोद में, पिता शाहजहां के खेमे के एक तंबू में हुआ था। आने वाले समय में औरंगजेब का अधिकांश समय खेमों और तंबुओं में ही बीतने वाला था।

यह कोई अनहोनी बात न थी। उन दिनों भारत में शासन चलाने का बस एक ही तरीका था कि राजा और राजकुमार लगातार अपने इलाके की गश्त करते रहें। जैसे ही राजा इलाके से दूर हुआ, वहां के लोकल जमींदार उपद्रव कर अपने आप को असंबद्ध, खुदमुख्तार घोषित करने की कोशिश करते थे। इसी सिलसिले में बादशाह जहांगीर अपने चहेते बेटे शाहजहां के साथ देश भर में दौरा करता रहता था। पर यह बात जहांगीर की चहेती रानी नूरजहां को बिल्कुल न सुहाई। सो उसने बादशाह के कान भरने शुरू किए। जब उसके हुक्म पर शाहजहां की काबुल पोस्टिंग की गई, तो शाहजहां को लगा कि यह नूरजहां द्वारा उसे शाही दरबार से दूर करने की साजिश है। वह बगावत कर बैठा। मगर उसकी फौजें शाही फौजों के सामने टिक न सकीं। अपने परिवार के साथ भागते हुए शाहजहां दक्कन के जंगलों में छिपता फिरा। अंत में, नूरजहां ने उसे इस शर्त पर छोड़ने की बात रखी कि उसके दोनों चहेते बेटे, दारा और औरंगजेब, बंधक के तौर पर शाही दरबार में रहेंगे। दारा उस समय 11 साल का था और औरंगजेब महज आठ साल का। दो साल तक दोनों बच्चे अपने मां-बाप से दूर, सौतेली दादी की कैद में रहे। अंत में 26 फरवरी, 1628 को शाहजहां के बादशाह बनने के बाद उन्हें अपनी मां से मिलने का सौभाग्य मिला। बादशाह ने औरंगजेब के लिए 500 रुपये का दैनिक भत्ता तय किया। अब पहली बार शहजादे की ठीक तरह से पढ़ाई-लिखाई शुरू हुई।

फिर आया 28 मई, 1633 का वह दिन, जब एक वाकये ने यह साबित कर दिया कि औरंगजेब बहुत बहादुर और विवेकशील है। औरंगजेब तब 15 साल का भी नहीं था। सुधाकर और सूरतसुंदर नाम के दो हाथी मल्ल युद्ध कर रहे थे। शाहजहां अपने बेटों के साथ इस लड़ाई को देखने पहुंचा। सभी अपने-अपने घोड़ों पर सवार थे। अचानक सुधाकर ने पलटकर बच्चों पर हमला बोल दिया। बाकी लोग तो डरकर भागे। लेकिन औरंगजेब ने अपने घोड़े को मोड़कर आक्रामक हाथी का सामना किया। हाथी ने सूंड़ के वार से औरंगजेब के घोड़े को गिरा दिया। फुर्ती से उठकर औरंगजेब अपनी तलवार निकाल हाथी के सामने डट गया। निडर बालक को देख सुधाकर हिचका। इसी बीच सुंदर ने उस पर हमला कर दिया। दोनों हाथी फिर से लड़ने लगे। औरंगजेब मौके का फायदा उठाकर पीछे हट गया। पिता ने आगे बढ़कर अपने वीर बेटे को गले लगा लिया। फिर प्यार से डांटा, 'भागे क्यों नहीं?' औरंगजेब ने जवाब दिया- मर भी जाता, तो कोई शर्म की बात नहीं थी। मौत तो हर किसी को आनी है। शर्म तो मेरे भाइयों को आनी चाहिए, जिस तरह वे भागे। खुश होकर औरंगजेब के जन्मदिन पर शाहजहां ने उसे इनामों से लाद दिया और उसे हाथी सुधाकर भी उपहार स्वरूप दिया गया।

औरंगजेब की शिक्षा देर से शुरू हुई। इसका भार कई उस्तादों ने उठाया। काफी समय तक कुरान और हदीस की पढ़ाई चली। उसने फारसी-अरबी सीखी। हिन्दुस्तानी में वह माहिर था। चगताई तुर्की भाषा भी सीख ली, ताकि अपनी सेना के चगताई सिपाहियों से बात कर सके। यह सब तो सारे राजकुमार सीखते थे। यदि औरंगजेब भिन्न था, तो इसमें कि वह शुरू से ही कुछ धार्मिक मिजाज का था। जहां बाकी राजकुमार मटरगश्ती करते, औरंगजेब कुरान की प्रतियां तैयार करता। उसके द्वारा लिखी हुई दो प्रतिलिपियां मक्का और मदीना को दी गईं। तीसरी प्रतिलिपि निजामुद्दीन औलिया के परिवार को दी गई। कहा जाता है कि कुरान की कई प्रतिलिपियां और उसके द्वारा बनाई हुई टोपियां बेची भी गईं।

आने वाले समय में वह युद्ध व राजनीति में भी पारंगत हो गया। पर उसे दो बातें बहुत खलती थीं। एक तो अपने परिवार में फैली शराबखोरी और फिजूलखर्ची, और दूसरी, उसका यह विश्वास कि इस समस्या का कारण था, उसके परिवार का हिंदू धर्म के प्रति रुझान होना। जैसा इतिहासकार मुजफ्फर आलम ने अनेक बार दर्शाया है, मुगल साम्राज्य का कोई 'इस्लामी' स्वरूप नहीं था। उसके रीति-रिवाज, काम करने का तरीका, काम करने वाले लोग, विचारधारा, सब पर हिंदू रीति-रिवाजों, विचारों और लोगों का काफी असर था।िहंदू इन्हें अपने ही जैसा मानते थे और बादशाह की दिल खोलकर सेवा करते। इस बात से कई कट्टर उलेमा नाराज रहते। मुगल बादशाह को रह-रहकर खरी-खोटी सुनाते। आम तौर पर इस तरह के लोगों को कठमुल्ला कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता था। उनकी बातों को महत्व तब मिलने लगा, जब 1660 के दशक के बाद भारत की आर्थिक हालत कमजोर होने लगी।

मुजफ्फर आलम तो यहां तक कहते हैं कि औरंगजेब ने अपने बड़े भाई दारा की हत्या ही इसलिए की, क्योंकि दारा हिंदूवादी हो रहा था। पिता को भी उसने इसीलिए बंदी बनाया। गद्दी पर बैठने के कुछ ही समय बाद औरंगजेब ने उन सब लोगों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जो उसे गैर-इस्लामी नजर आते थे। 1670 के दशक के बाद तो मानो औरंगजेब हर गैर-इस्लामी को सजा देने की ठान चुका था। हिंदुओं को तो उसने तंग किया ही, उनके मंदिर तोड़े, जजिया लगाया, साथ ही साथ सिख, शिया, बोहरा समुदायों को भी खूब सजा दी। जाहिर है, ये सभी औरंगजेब को एक दुष्ट राजा के तौर पर याद करने लगे, न कि एक बहादुर और विवेकशील राजा के रूप में, जिसने देश को एकजुट रखने के लिए जिंदगी भर प्रयास किए थे।

गतिरोध टलने के आसार

सरकार-समाज जवाबदेही निभाएं

ज्ञानेंद्र रावत

पिछले माह सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग लड़कियों की शादी के मामले में ऐतिहासिक फैसला देते हुए व्यवस्था दी कि 18 साल से कम उम्र की नाबालिग पत्नी के साथ संबंध बनाना दुष्कर्म समझा जायेगा। लड़की की शिकायत पर पति पर दुष्कर्म का केस दर्ज किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वह बाल-विवाहों को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठायें। देश की शीर्ष अदालत का यह फैसला सभी धर्मों, संप्रदायों और वर्गों पर समान रूप से लागू होगा। गौरतलब है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ में 15 वर्ष की लड़की को विवाह योग्य माना गया है। जस्टिस मदन बी. लोकुर और दीपक गुप्ता की पीठ ने इसके साथ ही रेप के प्रावधान आईपीसी की धारा 375 के अपवाद 2 में से '15 वर्ष से कम नहीं' शब्दों को हटाकर '18 वर्ष से कम नहीं' शब्द जोड़ दिये हैं।

दरअसल, यह अपवाद ही कई तरह से विवाद का कारण बना हुआ था। इस अपवाद में विवाह होने की स्थिति में 18 वर्ष से कम उम्र की पत्नी से यौन-संबंध को रेप नहीं माना गया था। दूसरा फैसला उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा जिले की विशेष सत्र अदालत का है, जिसमें न्यायाधीश ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा ने पनवनौला कस्बे के एक गांव में नाबालिग लड़की की शादी कराने के मामले में लड़की के पिता को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई। अदालत ने नाबालिग के पति, पुरोहित सहित छह अन्य लोगों को दस-दस साल की सज़ा सुनाई।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला जहां इस दिशा में मिसाल बन जायेगी, वहीं अल्मोड़ा की विशेष सत्र अदालत के फैसले को उच्च अदालत में चुनौती दी जायेगी, जिसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन कानून

के उल्लंघन के अपराध के तहत दिया यह फैसला भविष्य में मील का पत्थर माना जायेगा। यह बात दीगर है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बहुतेरे अर्थ निकाले जायें लेकिन इससे यह साफ हो गया है कि कुछेक खास स्थितियों में विवाह नामक संस्था के भीतर शारीरिक संबंधों को बलात्कार का दर्जा दिया जा सकता है।

कोर्ट का कहना है कि पति को संरक्षण देने वाला यह अपवाद संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 यानी बराबरी और जीवन तथा व्यक्तिगत आजादी का अधिकार के विरुद्ध है और बालिकाओं के मौलिक अधिकारों व पोक्सो एक्ट संरक्षण का उल्लंघन है। कोर्ट का यह फैसला 2.3 करोड़ बालिका-वधुओं के अधिकार को संरक्षित करेगा। कोर्ट ने याचिका दायर करने वाले संगठन की इस दलील को सही माना कि यह कम उम्र की लड़की के साथ दोहरा अत्याचार है। एक तो कानून का उल्लंघन करके उसका बाल-विवाह कर दिया जाता है और उस पर परिवार की जिम्मेदारी थोप दी जाती है। वहीं दूसरी ओर यह अपवाद शारीरिक संबंध के मामले में अपने बचाव का अधिकार भी उससे छीन लेता है। फिर कानून यह मानता है कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की इतनी अपरिपक्व होती है कि उसकी सहमति या असहमति का कोई अर्थ नहीं होता तो फिर अपरिपक्वता का यह तर्क क्यों बदलना चाहिए।

यह विडम्बना नहीं तो और क्या है जबकि देश में बाल-विवाह निरोधक कानून आज़ादी से भी तकरीब 18 साल पहले लागू हुआ और आज से 11 साल पहले संशोधन के जरिये इसे और कड़ा बनाने की कोशिश की गई। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में नाकामी जग-जाहिर है। इस बात की जीती-जागती मिसाल यह है कि आजादी के 70 साल बाद भी देश में 27 फीसदी लड़कियां बालिग होने से पहले और 20 फीसदी लड़कों की शादी बालिग होने से पहले ही कर दी जाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार ही पिछले एक दशक में 1.2 करोड़ बाल-विवाह हुए। 51.6 लाख लड़कियों की शादी 18 साल से कम उम्र में और 69.6 लाख लड़कों की शादी 21 साल से कम उम्र में हुई।

एनसीपीसीआर और गैर-सरकारी संस्था 'यंग लाइव्ज' के साझा अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि बाल-विवाह के मामलों में अधिक होने की आम धारणा के विपरीत शहरी इलाकों में लड़कियों के 18 साल से कम उम्र में शादी के ज्यादा मामले सामने आये हैं। रिपोर्ट के अनुसार गांवों में इन मामलों में कमी आई है जबकि शहरी इलाकों में बाल-विवाह काफी बढ़ गए हैं। देश के 13 राज्यों के 70 जिलों के आंकड़ों के आधार पर बनी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बाल-विवाह के मामले में राजस्थान की स्थिति सबसे खराब है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि बाल-वधुओं के मामले में हमारा देश दुनिया में पहले पायदान पर है। एक संप्रभु संपन्न देश अपनी आजादी के 70 साल बाद भी एक प्रगतिशील कानून को लागू करने में नाकाम रहा है। यह हमारे समाज और राष्ट्र राज्य की नाकामी का जीवंत प्रमाण है। यह भी कि ऐसे मामलों पर देश की शीर्ष अदालत तक को दखल देना पड़ रहा है।

जिलाई बाई

'पधारो म्हारे देश' की मूल तान

राजेश कुमार व्यास

मधुर और श्रृंगारिक राग है मांड। आरोह-अवरोह में वक्र सम्पूर्ण राग। संगीत की विष्णु नारायण भातखंडे की परम्परा की मानें तो मांड राग बिलावल थाट में आता है। परन्तु सुनते हैं तो मांड का लोक संगीत मिश्र राग में ध्वनित होता लगेगा। स्व. अल्लाह जिलाई बाई का ''पधारो म्हारे देस..' तो मांड का पर्याय ही हो गया है। उनके स्वर माधुर्य में जितनी बार सुनेंगे, मन करेगा सुनें। और सुनें। बार-बार सुनें। सुनते ही रहें। अल्लाह जिलाई बाई ने वर्षो तक लोक संगीत की भारतीय पंरपरा को न केवल संजोकर रखा बल्कि राजस्थानी लोकसंगीत को भी एक नया आयाम दिया। उन्हें संगीत विरासत में मिला। पांच वर्ष की अल्पायु में ही अल्लाह जिलाई अपनी मां के साथ बीकानेर रियासत के महाराजा गंगा सिंह के दरबार में गायन के लिए जाने लगीं। जब उनकी मां दरबार में गातीं तो वह खूब ध्यान से मां के गाए गीत सुनती।

इन्हें फिर वह गुनगुनाती भी। ऐसे ही उनकी गुनगुनाहट को एक दिन उस्ताद हुसैन खां ने सुन लिया। फिर क्या था हुसैन साहब ने उन्हें अपनी शिष्या बना लिया। हुसैन खां से 8 वर्ष की उम्र से ही विधिवत संगीत की तालिम लेते अल्लाह जिलाई ने अल्प अवधि के दौरान ही गायन की बारीकियों को ग्रहण कर लिया। हुसैन साहब की जल्द ही मृत्यु हो गई। मगर उनसे जो अल्लाह जिलाई ने सीखा उसे ताउम्र अपने तई संजोकर रखा। संगीत तालीम के अंतर्गत बाद में बीकानेर राजघराने की ओर से राजघराने के प्रतिष्ठित गुणीजन खाना (संगीत तालीम का केंद्र) में उन्हें भर्ती करवा दिया गया। गुणीजन खाने के अंतर्गत बिरजू महाराज के पिता अच्छन महाराज से अल्लाह जिलाई ने कत्थक की शिक्षा भी प्राप्त की। लच्छू महाराज, अमीर खां, शमशुद्दीन आदि का भी उन्हें इस दौरान निरंतर सानिध्य प्राप्त हुआ।

जिस अंदाज से वह गाती उसमें आरोह-अवरोह का अंदाज वह शायद अपने भीतर की नृत्यांगना से लेती थी। यही कारण था कि उनकी खनकदार आवाज के साथ स्वत- ही ताल शुरू हो जाता था। ठुमरी दादरा, ख्याल और पारंपरिक राजस्थानी गायन में अल्लाह जिलाई बाई जैसे लोक का उजास रचती थीं। शास्त्रीय आधार पर गांठ, चैताला, उडी, झूमरा आदि कठिन तालों में भी वह गातीं तो जैसे स्वरों का आकाश बनता। राजस्थानी प्रेमाख्यान, महेंद्र मूमल, रतन राणा सांवरिया की पाल, ढोला मारू आदि माड गीतों में अल्लाह जिलाई बाई ने अपने सधे स्वर का जो जादू बिखेरा वह आज भी दिल में घर करता है। गायकी में फिरत और घुमावदार तानों भरी गूंजती-खनकती आवाज की अल्लाह जिलाई बाई अद्भुत संगीत साधिका थीं। राजस्थानी लोक संगीत की विभिन्न परंपराओं को अपने कंठों में समेटे जिलाई बाई ने दादरा, ठुमरी, कजरी, व होली के गीतों को भी जैसे जिया। राग देस, सारंग, आशा खमाज, जयजयवंती, सोरठ, झिंझोटी और अन्य विविध रागों को कुशलता से अपने सुरों में साधते उन्होंने जो भी गाया, उसे मन से जिया। ''केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारा देस.', ''बाई सा रा बीरा म्हाने पिहरिये ले चालो सा..', आदि माड गीतों की उनकी खनकती आवाज आज भी फिजा में जैसे रस घोलती है। जिलाई बाई ने न केवल राजस्थानी लोकसंगीत को ख्याति दिलाई बल्कि लोक गायन परंपरा को भी शास्त्रीय गायन की ही तरह उच्च स्थान दिलाया। वर्ष 1987 में लंदन में ''वर्ल्ड कोर्ट सिंगर कांफ्रेंस' में भारत का प्रतिनिधित्व करते अल्लाह जिलाई बाई ने दुनिया भर के इकट्ठा हुए संगीतकारों में यह साबित किया कि राजस्थान का लोक संगीत मिट्टी की सोंधी महक लिए ऐसा है, जिसे कभी बिसराया नहीं जा सकता।

याद पड़ता है, लोकगीतों की माड गायन परंपरा के संबंध में अल्लाह जिलाई बाई से इस लेखक ने एक मुलाकात में पूछा था तो उन्होंने कहा था, ''माड दूहों की ही अलंकृति है।' अल्लाह जिलाई बाई ''पधारो म्हारे देस' गाती तो पावणों की मेजबानी की राजस्थानी संस्कृति के दृश्य चितराम भी अनायास आंखों के सामने घूमने लगते हैं। उनके गाए ''सुपनो,' ''हेलो, ''जल्ला', ''ओयू', ''कलाली', ''कुरंजा' गीतों को सुनेंगे तो राजस्थान की संस्कृति के अनूठे चितराम, परम्पराएं भी आंखों के सामने जैसे तैरने लगेंगी। बीकानेर टाऊन हाल में अपने अंतिम कार्यक्रम में अल्लाह जिलाई बाई ने ''केसरिया बालम', ''गोरबंध', ''मूमल', और ''दिले नादां तुझे हुआ क्या है' जैसे गीत-गजल प्रस्तुत करतीं अपनी बेहतरीन गायकी का ढलती उम्र में भी अहसास दिलाया था। 90 वर्ष की आयु में 3 नवम्बर 1992, जिलाई बाई ने हम सबसे सदा के लिए विदा ले ली परंतु ''पधारो म्हारे देस..' के उनके सुर क्या कभी हमसे जुदा होंगे?

राम मंदिर विवाद सुलह से सुलझे तो बेहतर : नाईक

फैजाबाद। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति राम नाईक ने कहा है कि अयोध्या का राम मंदिर विवाद आपसी बातचीत और सुलह के माध्यम से सुलझे तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बाहर नए सिरे से हिन्दू व मुस्लिम पक्षों के बीच समझौते के लिए चल रहे प्रयासों पर उनकी पैनी नजर है। राज्यपाल श्री नाईक शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए आए थे। समारोह में शिरकत करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राम मंदिर/बाबरी मस्जिद विवाद से जुड़ी प्रत्येक गतिविधियों पर वह नजर रखे हुए हैं। श्री नाईक ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवाद पर अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट को करना है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले बातचीत के माध्यम से सुलह-समझौते का कोई सर्वमान्य रास्ता निकलता है तो यह काफी अच्छा होगा। उन्होंने बताया कि मौजूदा दौर में हिन्दू व मुस्लिम पक्षों की ओर से कई स्तर पर सुप्रीम कोर्ट के बाहर सौहार्दपूर्ण ढंग से इस विवाद के समाधान की कोशिशें की जा रही हैं। इस तरह के प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी 29 विश्वविद्यालयों पर राजभवन की नजर रहती है। विश्वविद्यालयों के कामकाज की समीक्षा के लिए अलग से किसी कमेटी की जरूरत नहीं है। वह खुद निगरानी करने के साथ आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई के लिए समक्ष है। राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश के एक विश्वविद्यालय में ठीक से कामकाज न होने पर वहां के कुलपति को निलंबित करने जैसा कड़ा कदम उन्होंने उठाया था। इसी तरह एक कुलसचिव पर भी सख्त कार्रवाई की गई। किसी भी विश्वविद्यालय की गड़बड़ियों के बारे में साक्ष्य मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कृषि विवि से ब्यौरा मांगा : एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि फैजाबाद के कुमारगंज स्थित नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के घोटालों से जुड़ी रिपोर्ट मिलने पर निश्चित रूप से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

हिमाचलप्रदेश से ताजमहल देखने आ रहे बच्चों से भरी बस पलटी, 1 की मौत, 40

आगरा। आगरा में एक्सप्रेस वे पर एत्मादपुर के पास हिमाचल प्रदेश के मंडी से बच्चों को लेकर आ रही बस शुक्रवार की सुबह खाई में पलट गई। इसमें बस चालक की मौत हो गई, जबकि 40 बच्चे घायल हैं। इनमें से 20 की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस हादसा टायर फटने से हुआ। घायलों को यमुनापार के कई हॉस्पिटलों व एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बागपत नंबर की टूरिस्ट बस हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले से आलोक भारती स्कूल के करीब 40 बच्चों को आगरा के स्मारक दिखाने ला रही थी। शुक्रवार की सुबह आगरा के लिए बस एक्सप्रेस वे के रास्ते आ रही थी कि एत्मादपुर में गढ़ी रम्मी के पास टायर फटने से बस बेकाबू होकर खाई में पलट गई। इसमें बस चालक हरीश कुमार को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम और प्रशासन तक पहुंची। इसके बाद बस को क्रेन से बाहर निकाला गया। इसके बाद घायलों को आगरा के यमुनापार इलाके में स्थित कई अस्पतालों और एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। कई बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। चंडीगढ़ से बिना रूके सफर कर रहे थे बच्चे

हिमाचल के मंडी जिले से चले बच्चों ने चंडीगढ़ का भ्रमण करने के बाद आगरा की राह पकड़ी थी। वे लगातार सफर कर रहे थे। इन्हें शुक्रवार को सुबह फतेहपुरसीकरी जाना था, क्योंकि इस दिन ताजमहल बंद रहता है। इसके बाद अन्य स्मारक देखते हुए इनका मथुरा जाने का कार्यक्रम था, लेकिन बस हादसाग्रस्त हो गई।

ग्रामीणों और रोडवेज चालक ने बचायी जान

घटना के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था। इसके अलावा एक्सप्रेस वे से गुजर रहे रोडवेज बस के चालक ने बचाव कार्य में मदद की।

एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती के लिए आयोग तैयार करा रहा पाठ्यक्रम

इलाहाबाद। प्रदेश के राजकीय इंटर कॉलेज में एलटी ग्रेड शिक्षकों की भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए लोक सेवा आयोग पाठ्यक्रम तैयार करा रहा है। आयोग में इन दिनों इसके लिए कार्यशाला चल रही है। जिसमें विभिन्न विषयों का पाठ्यक्रम तय करने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय समेत अन्य शैक्षकि संस्थानों के शिक्षक बतौर विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद आयोग इसे अनुमोदन के लिए शासन को भेजेगा। अनुमोदन मिलने के बाद विज्ञापन जारी कर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आयोग की मंशा दिसंबर के अंत तक इस भर्ती का विज्ञापन जारी करने की है। शासन से आयोग को विभिन्न विषयों के एलटी ग्रेड शिक्षकों के 9892 पदों को अधियाचन मिल चुका है। अधियाचन मिलने के बाद भी पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। जानकारों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने तक पदों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

पहली बार आयोग करेगा भर्ती

राजकीय इंटर कॉलेजों में कक्षा छह से दस तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए नियुक्त होने वाले एलटी ग्रेड शिक्षकों (सहायक अध्यापक) की भर्ती पहली बार लोक सेवा आयोग करेगा। वह भी लिखित परीक्षा के माध्यम से। अभी तक यह भर्ती एकेडमिक मेरिट पर होती थी। पहले भर्ती का जिम्मा संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक के पास था। सपा शासनकाल में यह जिम्मा अपर निदेशक माध्यमिक को सौंप दिया गया था। अपर निदेशक की ओर से विज्ञापन जारी कर 26 दिसंबर 2016 से 26 जनवरी 2017 तक इसके लिए आवेदन लिए गए थे। इसके लिए 5.25 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

आवेदकों की संख्या में होगा इजाफा

आयोग इस भर्ती के लिए नए सिरे से आवेदन लेगा। माना जा रहा है कि आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के बाद आवेदकों की संख्या में इजाफा होगा क्योंकि जनवरी 2017 से जनवरी 2018 के बीच बीएड डिग्रीधारकों की संख्या बढ़ेगी। इस भर्ती में एक पेंच उन ओवरएज आवेदकों को लेकर आ सकता है, जो पूर्व में आवेदन कर चुके हैं और आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया शुरू करने तक अधिकतम आयु सीमा को पार कर जाएंगे।

फर्जी नियुक्ति की मिली थी शिकायत

एलटी ग्रेड शिक्षकों की पूर्व की भर्तियों में धांधली और फर्जी अभिलेख लगाकर नौकरी पाने की ढेरों शिकायतें सामने आईं थीं। इसी भर्ती में शैक्षकि अभिलेख को बदलने का मामला भी उजागर हुआ था। यही वजह थी कि प्रतियोगी छात्रों की ओर से इस भर्ती को एकेडमिक मेरिट के बजाए लिखित परीक्षा के माध्यम से कराने की मांग की जा रही थी। सूबे में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रतियोगियों की मांग पर लिखित परीक्षा के जरिए चयन की व्यवस्था बनीं और यह जिम्मा लोक सेवा आयोग को सौंपा गया।

बेलगाम डंपर ने दो सगी बहनों को कुचला, एक की मौत

गोरखपुर। शुक्रवार की सुबह बेलगाम डंपर चालक ने साइकिल ट्यूशन पढ़ने जा रही दो सगी बहनों को कुचल दिया। तीसरी कक्षा की छात्रा नंदिनी की मौके पर ही मौत हो गई लेकिन उसकी बड़ी बहन 5वीं की छात्रा बसुंधरा सदर अस्पताल में भर्ती है।

पिपराइच थाना क्षेत्र के लाला बाजार में वारदात तब हुई जब दोनों बहने साइकिल से सुबह 7 बजे ट्यूशन के लिए जा रही थी। भठ्ठा चौक जाने की राह में तेजरफ्तार बेलगाम डंपर ने दोनों को कुचल दिया। वारदात के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया लेकिन ग्रामीणों ने उसे कुछ देर बाद पकड़ कर पिटाई की और पुलिस को सौंप दिया।आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच आक्रोशित भीड़ ने डंपर में आग भी लगा दी। दूसरी ओर वारदात की सूचना के बाद रोते बिलखते दोनों बच्चियों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान लोगों ने सड़क जाम कर दिया जिसे खुलवाने के लिए पहुंची पुलिस को भी लोगों की नाराजगी का समाना करना पड़ा। पुलिस का कहना है कि डंपर चालक शराब के नशे में था। वह नाबालिक और कान में ईयर फोन लगा कर गाना सुनते हुए डंपर चला रहा था।

आक्रोशित ग्रामीणों ने एक घंटे तक सड़क जाम किया

दुर्घटना स्थल लाला बाजार में ग्रामीणों ने एक घंटा तक सड़क जाम किया। पुलिस के मुताबिक डंपर दीन दयाल सिंह के नाम पर पंजीकृत है जिसका नंम्बर यूपी 53 सीटी 4556 हैं। लोगों ने डंपर चालक नाबालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए डंपर मालिक के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

ढोल-नगाड़ों संग पर्चा भरने पहुंचे मुन्ना किन्नर

आगरा। नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन अब शुरू हो चुके हैं। शुक्रवार को ढोल नगाड़ों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मुन्ना किन्नर पर्चा भरने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मेयर पद के लिए नामांकन किया।

ढोल-नगाड़ों नाचते, गाते हुए शुक्रवार को साथियों के साथ नामांकन करने मुन्ना किन्नर कलक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर वे मथुरा वृंदावन से नगर निगम के मेयर पद के लिए आवेदन करने को गए हैं।

कानपुर में मुस्लिम महिलाएं कर रहीं यज्ञ और परिक्रमा

कानपुर दक्षणि।

हाथों में समिधा... सुरवा में घी...मंत्रोच्चारण की गूंज के बीच हिजाब पहने महिलाओं और उन्हीं के समाज के पुरुषों ने यज्ञ में आहुतियां दीं तो भाईचारे की मिसाल कायम हो गई। सांप्रदायिक सौहार्द का यह नजारा दिखा सचेंडी क्षेत्र के पलरा गांव में श्रीसत चंडी सीताराम महायज्ञ के दौरान। यज्ञ की घोषणा के साथ ही मुस्लिम समाज इसे सफल बनाने के लिए जुटा है। हिन्दुओं के कंधे-से कंधा मिला रहे मुस्लिम समाज के लोग पूरी आस्था के साथ यज्ञशाला की परिक्रमा भी कर रहे हैं।

श्री ज्ञानीदास त्यागी जी महाराज के निर्देशन में आयोजित इस यज्ञ में न जाति की सीमाएं हैं और न ही धर्म का बंधन। रोज सुबह फजिर की नमाज अता करके गांव के इदरीश यज्ञशाला के 251 चक्कर लगाते हैं। वहीं, छंगा खान छोटा साईं यज्ञस्थल पर ही मगरिब और ईशा की नमाज अता करते हैं। इशाक खान, पत्तर, अनवर अली, समझ अली, सफी खां, छोटकऊ आदि के परिवार यज्ञ आयोजन से पहले ही खुद ही अलग-अलग जिम्मेदारी लेकर उसे पूरा करने में जुटे हैं।

यज्ञशाला में गुरुवार दोपहर शहनाज, सोनम, साना, चांदनी, साजिदा, रोशनी, इदरीश आदि पहुंचे तो इनका भव्य स्वागत किया गया। महिला संत माहेश्वरी दास त्यागी और गांव के दुलीचंद्र तिवारी, सूर्यभान, दिनेश कुशवाहा, अमर सिंह कुशवाहा, शिव कमल गुप्ता, शिवबाबू पासवान, राम लखन गिरजा शंकर सविता आदि ने इन्हें यज्ञ वेदी पर बिठाया। इन्होंने सबके साथ यज्ञ में आहूतियां दीं। यज्ञ भगवान को नमन किया। इसके बाद सैकड़ों हिन्दुओं के साथ यज्ञशाला की परिक्रमा की और प्रसाद ग्रहण किया।

शहनवाज ने कहा-

मैं और मेरे गांव के सभी मुस्लिम भाई-बहनें रोज यज्ञ की परिक्रमा करते हैं। अल्लाह-भगवान में कोई फर्क नहीं होता। बच्चों को भी यही सिखाते हैं।

दुलीचंद तिवारी ने कहा-

हमारे गांव में सब एक हैं। ईद-बकरीद, होली-दिवाली की खुशियां सब लोग साथ-साथ मनाते हैं।

रामलखन दिवाकर, ग्राम प्रधान ने कहा-

दो हजार की आबादी वाले पलरा गांव में मुस्लिमों के 50 घर हैं। यज्ञ में इनका पूरा सहयोग है।

ज्ञानीदास त्यागी जी महाराज, यज्ञ पुरोहित ने कहा-

गांव के मुसलमान यज्ञशाला की परिक्रमा करते हैं। पूजा-पाठ भी हिन्दुओं की तरह करते हैं।

बिहार

शराबबंदी एक सामाजिक जनआंदोलन, लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव : नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि शराबबंदी एक सामाजिक जनआंदोलन है। शराबबंदी से लोगों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सामाजिक बदलाव के बिना विकास का कोई मतलब नहीं होता है।

सीएम ने गुरुवार को उनसे मिलने कर्नाटक के टेंपरेंस बोर्ड के अध्यक्ष एचसी रुद्रप्पा संग आए प्रतिनिधिमंडल से शराबबंदी के कई पहलुओं पर चर्चा की। 31 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सूबे में लागू मद्य निषेध नीति व उसके कार्यान्वयन का अध्ययन करने आया है।

शराबबंदी का अध्ययन करने आई कर्नाटक की 31 सदस्यी टीम ने बिहार सरकार के शराबबंदी के फैसले की जमकर सराहना की। टीम ने कहा कि शराबबंदी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साहसिक फैसला है। बिहार के इस मॉडल का अध्ययन करने आए हैं। कर्नाटक इस संबंध में शोध करेगा।

टीम कर्नाटक के टेंपरेंस बोर्ड के अध्यक्ष एचसी रुद्रप्पा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मुलाकात करने एक अणे मार्ग पहुंची थी। टीम के सदस्यों ने कहा कि बिहार जैसे बड़े राज्य में शराब बंद कर देना मामूली बात नहीं है। यह साहसिक कदम है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने टीम को बताया कि शराबबंदी का फैसला चरणबद्ध तरीके से होना था। इसमें ग्रामीण इलाके में सबसे पहले, फिर छोटे शहर और उसके बाद बड़े शहरों में इस पर रोक लगाने की योजना थी, परंतु शराबबंदी कानून के एलान होने के बाद चार अप्रैल 2016 को जब शहरी इलाके में शराब की दुकानें खुलने लगीं तो लोगों का भारी विरोध हुआ। तत्काल मैंने अधिकारियों के साथ मंत्रणा की और पूरे बिहार में पांच अप्रैल 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी से राज्य के खजाने में भले ही पांच हजार करोड़ का नुकसान हुआ, लेकिन बिहार का दस हजार करोड़ जो लोग शराब में गंवा रहे थे, आज वह बच रहा है।

ईडी ने तेजस्वी से 13 नवंबर को पेश होने के लिये कहा

नई दिल्ली। रेलवे होटलों के आबंटन में भ्रष्टाचार के मामले में अपनी धनशोधन जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजद नेता लालू प्रसाद के पुत्र तेजस्वी यादव को 13 नवंबर को पेश होने के लिये कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि 31 अक्तूबर को पेशी के संबंध में बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री को इसी तरह का समन भेजा गया था, जिसमें वह पेश नहीं हुए थे।

जांच एजेंसी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुछ समय पहले लालू प्रसाद, उनके परिवार के सदस्यों एवं अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

ईडी ने मामले में पूछताछ के संबंध में तेजस्वी की मां एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को भी सात नवंबर को उसके समक्ष पेश होने के लिये कहा है।

विजिलेंस की छापेमारी में पता चला करोड़ों के मालिक है भागलपुर के डीएसओ

भागलपुर। आय से अधिक संपत्ति मामले में गुरुवार शाम पटना की विजिलेंस टीम ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह आईसीडीएस के प्रभारी डीपीओ देवेन्द्र कुमार दर्द के कार्यालय व झौवाकोठी स्थित सरकारी क्वार्टर में छापेमारी की।

इस दौरान आलमीरा से 66 हजार नकद, पत्नी के नाम चार जमीन के कागजात व पांच एलआईसी बांड बरामद किया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी के पटना व भागलपुर के ठिकाने पर एक साथ छापेमारी की गई। पटना में छापेमारी के दौरान डेढ़ करोड़ की जमीन के कागजात, 30 लाख के जेवरात और 20 बैंक पासबुक समेत आय से अधिक संपत्ति मिली है।

गुरुवार सुबह पटना से विजिलेंस डीएसपी विनोद कुमार के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम छापेमारी के लिए भागलपुर पहुंची और भागलपुर रेंज के विजिलेंस एसपी संजय कुमार भारती के साथ दिन के करीब 11.30 बजे समाहरणालय पहुंची। आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों को बुलाकर डीएसओ के वेश्म की जानकारी ली। विजिलेंस टीम ने आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों को कोर्ट के आदेश की प्रति दिखाते हुए कहा कि डीएसओ के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज है। कोर्ट के आदेश पर छापेमारी की जा रही है।

कर्मचारियों को आदेश की प्रति भी पढ़ने दिया गया। उसके बाद कर्मचारी से मोबाइल नं. लेकर विजिलेंस के अधिकारियों ने डीएसओ से बात की। डीएसओ को कोर्ट के आदेश को पढ़कर सुनाया गया। क्वार्टर में छापेमारी करने के लिए चाबी की मांग की गयी लेकिन बताया गया कि साहब पटना गए हैं। क्वार्टर के गेट की चाबी ड्राइवर के पास है। कार्यालय कर्मी ने बताया कि साहब लोकायुक्त के यहां बाल विकास परियोजना कार्यालय से संबंधित मामले की सुनवाई में भाग लेने पटना गये हैं। समाहरणालय परिसर में इस बात की चर्चा चल रही थी कि पटना स्थित आवास पर भी विजिलेंस टीम द्वारा छापेमारी कर रही है।

विजिलेंस थाने में दर्ज की गई एफआईआर

आय से अधिक संपत्ति मामले में जिला आपूर्ति पदाधिकारी के खिलाफ मंगलवार को पटना स्थित विजिलेंस थाने में कांड संख्या 82/017 दर्ज करने के बाद बुधवार को विजिलेंस कोर्ट से सर्च वारंट लिया गया। निगरानी टीम छह महीने से डीएसओ के संपत्ति की जांच कर रही थी। इस दौरान आलमीरा से 66 हजार नकद, पत्नी के नाम चार जमीन के कागजात व पांच एलआईसी बांड बरामद किया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी के पटना व भागलपुर के ठिकाने पर एक साथ छापेमारी की गई। पटना में छापेमारी के दौरान डेढ़ करोड़ की जमीन के कागजात, 30 लाख के जेवरात और 20 बैंक पासबुक समेत आय से अधिक संपत्ति मिली है।

अधिकारी के मुताबिक डीएसओ द्वारा वर्ष 2010 से 2016 के बीच दाखिल रिटर्न फाइल में एक करोड़ से अधिक की संपत्ति का इजाफा दिखाया गया है। संपत्ति के मुकाबले छह साल में वेतन वृद्धि काफी कम है।

32 दिनों तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेला का हुआ उद्घाटन

हाजीपुर। मेले का गुरुवार की शाम दीप जलाकर उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनपुर मेले के विकास के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील है। अगले साल से केन्द्र और राज्य सरकारों की और अधिक प्रदर्शनियां लगायी जाएंगी। उद्घाटन के मौके पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने स्वागत गान गाया। उद्घाटन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुए, जिसमें बॉलीवुड के मशहूर गायक कुमार सानू और अन्य कलाकारों ने समां बांध दिया। एशिया के सबसे बड़े इस मेले में भारी संख्या में व्यापारी भी पहुंच चुके हैं। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि सोनपुर मेले के विकास के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मेले के थियेटरों में अश्लील बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वे गुरुवार की शाम पर्यटन विभाग के मुख्य पंडाल में सोनपुर मेले का विधिवत उद्घाटन करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन विभाग की ओर से एक करोड़ 47 लाख की लागत से मेले का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। पशु-पक्षियों की बिक्री पर रोक है इसलिए चिड़िया बाजार को इस बार प्रतिबंधित कर दिया गया है। बिहार को धर्म, संस्कृति और अध्यात्म का केन्द्र बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी महत्ता को सारी दुनिया मानती है। यह भी कहा कि पंजाब व हरियाणा से उन्नत नस्ल की गायों को यहां से लाने का प्रयास किया गया, टीम भी भेजी गयी लेकिन रेलवे के ट्रांसपोर्टिंग नियमों के कारण उसमें बाधा आ रही है। सोनपुर में बनाया जाएगा सांस्कृतिक ग्राम : पर्यटन मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि सोनपुर में शीघ्र ही सांस्कृतिक ग्राम की स्थापना की जाएगी। साथ ही यहां पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। वहीं, सहकारिता मंत्री राणा रंधीर सिंह ने कहा कि सोनपुर मेले में पुस्तक मेले के लिए जमीन आवंटित कर दी गयी है। अगले एक-दो दिनों में पुस्तक मेले की तैयारी शुरू हो जाएगी। राजस्व मंत्री रामनारायण मंडल ने सोनपुर मेले के विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया और कहा कि ये मेला देश का एक बड़ा सांस्कृतिक मेला है।

डेंगू और चिकनगुनिया को लेकर बिहार के अस्पतालों में अलर्ट

पटना। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू व चिकनगुनिया को लेकर सभी अस्पतालों को अलर्ट किया है। डेंगू की सबसे ज्यादा शिकायतें पटना जिला से आ रही हैं। अभी तक पटना जिला में 969 मरीजों का पता चला है। पिछले साल पटना, नालंदा , मुजफ्फरपुर व भागलपुर में डेंगू मरीजों की संख्या सबसे अधिक थी। स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी अस्पतालों में डेंगू की नि:शुल्क जांच की व्यवस्था की है और अलग वार्ड बनाया गया है।

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल, नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, आईजीआईएमएस, अनुग्रह नारायण मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया, जयप्रभा अस्पताल पटना, दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल दरभंगा, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भागलपुर, रेड क्रास पटना में डेंगू जांच की नि:शुल्क व्यवस्था है। पीएमसीएच में 20 और अन्य मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में 10-10 और सदर अस्पताल में अलग से पांच बेड की व्यवस्था की गई है। राजधानी के कुर्जी होली फेमिली अस्पताल व महावीर वात्सल्य अस्पताल को भी मांग के अनुसार डेंगू व चिकनगुनिया जांच किट उपलब्ध कराई गई हैं। पटना के अन्य निजी अस्पताल जहां डेंगू के मरीज आते हैं वहां से खून का सेंपल संग्रहितकर पीएमसीएच को उपलब्ध कराने की व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग ने की है। विभाग ने सभी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि डेंगू के सभी संभावित मरीजों को सेंटिनल सर्विलांस अस्पताल रेफर न करें। ऐसे मरीजों के खून की जांच कर प्लेटलेट्स की संख्या पर ध्यान दें।

भांजे की हत्या कर मामा ने शव बधार में फेंका, विरोध में जाम की सड़क

पटना.गोपालपुरथाना के भोगीपुर गांव में अपने मामा के घर रहकर पटना में ड्यूटी करनेवाले 26 वर्षीय युवक की उसके मामा समेत अन्य ने बुधवार को गला दबाकर हत्या कर दी और देर रात शव को धनरुआ थाना के देवकुली के बधार में सड़क किनारे फेंक दिया। इधर घटना के विरोध में अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृतक के परिजनों ग्रामीणों ने गुरुवार की सुबह देवकुली के पास पटना-गया सड़क मार्ग को जाम कर दिया। बाद में पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम खत्म कराया।

धान खरीद इस वर्ष 1550 रुपए प्रति क्विंटल की दर से, 30 लाख टन धान की होगी खरीद

पटना। राज्य में इस वर्ष 30 लाख टन धान की खरीद होगी। केन्द्र से अगर छूट मिली तो इस वर्ष 19 प्रतिशत नमी वाले धान की भी खरीद की जाएगी। अभी यह मानक 17 प्रतिशत तय है। इसी के साथ केन्द्र सरकार ने नये समर्थन मूल्य की भी घोषणा कर दी है। मुख्यसचिव अंजनि कुमार सिंह ने गुरुवार को धान खरीद की समीक्षा की। साथ ही केन्द्र से आए समर्थन मूल्य की भी जानकारी दी। धान की खरीद इसी महीने 15 नवम्बर से शुरू होनी है।

इस वर्ष किसानों से सामान्य किस्म का धान 1550 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा। पहले यह दर 1470 थी। उच्च कोटि के धान के लिए समर्थन मूल्य 1590 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह पिछले साल की तुलना में 80 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। हालांकि सरकार ने यह भी तय किया है कि जो भी निबंधित किसान पैक्स में धान लेकर जाएंगे उनका धान खरीदा जाएगा। इसी के साथ केन्द्र सरकार ने नये समर्थन मूल्य की भी घोषणा कर दी है। मुख्यसचिव अंजनि कुमार सिंह ने गुरुवार को धान खरीद की समीक्षा की। साथ ही केन्द्र से आए समर्थन मूल्य की भी जानकारी दी। धान की खरीद इसी महीने 15 नवम्बर से शुरू होनी है। लिहाजा अगर किसानों की अधिक भीड़ हुई तो 30 लाख टन खरीद की सीमा टूट सकती है। खेती करने वाले किसान अधितम 150 क्विंटल धान बेच सकते हैं, लेकिन भूमिहीन किसानों के लिए यह सीमा 50 क्विंटल ही रखी गई है।

जिला चुनाव अधिकारी ने मतदाता जागृति रथ को दिखाई हरी झंड़ी

जिले के 16 विधानसभा क्षेत्रों में धुमेगी मतदाता जागृति रथ

सूरत। विधानसभा आम चुनाव-2017 के लिए सूरत जिले के 16 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के प्रति लोगों में जागृति लाने के उद्देश्य से तैयार मतदाता जागृति रथ का शुक्रवार को जिला चुनाव अधिकारी ने हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। यह रथ मांगरोल विधानसभा क्षेत्र से आरंभ होकर सूरत जिले के सभी 16 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर लोगों में मतदान में मतदान की प्रक्रिया की जानकारी देगी तथा लोगों में लोकतंत्र के प्रति जागृति लाने का कार्य करेगी। विधानसभा चुनाव में पहली बार प्योग होने वाले वीवीपेट मशीन के संदर्भ में मोक पोलिंग के द्वारा मतदाताओं प्रत्यक्ष निर्देशन द्वारा जानकारी दी जाएगी।

गुरू नानक जयंती आज, रंगबिरंगी रोशनी तथा फूलों से सजे गुरूद्वारे

सूरत। सूरत सहित सम्पूर्ण भारत में कार्त्तिक शुक्ल पूर्णिमा पर गुरुनानक देव की 548वीं जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर शोभायात्रा सहित विविध धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। गुरुनानक देव की जयंती की पूर्व संध्या पर शहर के भटार रोड स्थित गुरुद्वारे को विविध प्रकार के रंगबिरंगे फूलों एवं विद्युत लड़ियों से सजाया गया। गुरु नानक जयंती पर शहर के सभी गुरुद्वारो में लंगर व महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर वाहेगुरु की खालसा वाहेगुरु की फतेह की ध्वनी से शहर गुंजायमान हो उठेगा। गुरु नानक देव ने सिख धर्म की स्थापन कर उन्हे पांच चिन्ह अर्पित किए जो सभी सिख धर्मावलंबी बडे सिदत से पालन करते है।

सूरत। सूरत के आश्रम में बलात्कार के आरोपी नारायण साई को शुक्रवार को सूरत कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान सूरत के पत्रकारों ने उनसे कई सवाल किए। एक सवाल के जवाब में नारायण साई ने कहा की इस बार कांग्रेस की चुनाव में विजय होगी।

श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज का स्नेह मिलन कल

सूरत। श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की ओर से 5 अक्टूबर, रविवार को स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन रविवार की सुबह 11 बजे से अलथाण के कम्युनिटी हाल में किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समाज के आनंद सोनी ने बताया कि समारोह में परिचय सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण, स्वागत आदि कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस मौके पर अतिथि के तौर पर सांसद सी.आर. पाटिल, विधायक संगीता पाटिल, पूर्व पार्षद राजू अग्रवाल, आईआरएस घनश्याम सोनी, न्यायधीश प्रदीप सोनी आदि उपस्थित रहेंगे।

जैन संतों का चातुर्मास परिवर्तन आज से

सूरत। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पीछले 4 माह से विराजित जैन संत भगवंतों का चातुर्मास परिवर्तन शनिवार से आरंभ हो जाएगा। शहर के अठवालाइंस, घोड़दौड़ रोड, कैलाशनगर, गोपीपुरा, कतारगांव, उमरा, भटार सहित विभिन्न उपाश्रयों में विराजित सैकड़ो साधु-साध्वियों का शनिवार से चातुर्मास परिवर्तन शुरू हो जाएगा।

गुजरात ने दिया श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में विश्व स्तरीय नेता : डॉ नरोत्तम

कार्यकर्ता भी देव दुर्लभ

जूनागढ़,(ईएमएस)। म.प्र. के सिंचाई और जनसंपर्क विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज जूनागढ़ में पार्टी के कार्यकर्ताओं को बताया कि वे उस गुजरात के भाजपा वर्कर हैं जिसने देश को एक विश्व स्तर का नेता श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में दिया है। यहीं नहीं श्री अमित शाह भी गुजरात से हैं जो विश्व के सबसे बड़े संगठन के अध्यक्ष हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कार्यकर्ताओं की तारीफ करते हुए कहा कि आपने टोन चेंज कर दी। आप वो कार्यकर्ता हो जिन्होंने अच्छे-अच्छे को चेंज कर दिया। देश की राजनीति की दिशा बदल दी। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कार्यकर्ता बंधु आपको मैंने देव दुर्लभ कार्यकर्ता कहा। इसलिए कहा देव दुर्लभ क्योंकि विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय व्यक्ति किसी प्रदेश से हैं तो वे गुजरात से श्री नरेन्द्र मोदी हैं। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष है तो वो गुजरात से है। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के सबसे अच्छे कार्यकर्ता हैं तो वे गुजरात के हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जब हमारे मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनी आज से चौदह साल पहले तो हमारे मध्यप्रदेश में सरकार लोकप्रिय होती रहे, इसके लिए हमें किन कार्यकर्ताओं से सीख लेनी चाहिए तो मुझे गुजरात के कार्यकर्ताओं का अध्ययन करने के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने भेजा। आप ऐसे कार्यकर्ता हो इसलिए मैंने आपको दुर्लभ कार्यकर्ता कहा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की तो न राज्य में सरकार है न केन्द्र में है। एक बड़े विजन वाले नेता हमारे पास हैं। वो नरेन्द्र मोदी जी जब दिल्ली कार्यालय में बैठा करते थे मित्रों और हमारे मध्यप्रदेश से सिर्फ प्रभारी हुआ करते थे, लेकिन उस वक्त जब वो बोलते थे तो लोग उनके अंदर गुजरात के मुख्यमंत्री की छवि देखते थे। जब वो मुख्यमंत्री बने तो गुजरात के अंदर भाषण दिया तो देश ने उनके अंदर देश के प्रधानमंत्री की छवि देखी। देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद लाल किले की प्राचीर से उन्होंने जब भाषण दिया तो लोगों ने उनके अंदर विश्व के नेता की छवि देखी थी। ऐसे गुजरात के समर्पित कार्यकर्ता हैं। ये गुजरात के सम्मान और स्वाभिमान का प्रश्न है। आज अमित शाह जी हमारे हैं। हमारे बीच के हैं। आज नरेन्द्र मोदी जी हैं जो देश को तीव्र प्रगति की ओर ले जा रहे हैं। उनके समर्थ नेतृत्व में सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को लोकप्रियता मिलती जा रही है। मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने इसके पहले कल अमरेली में सभा को संबोधित किया था।चार नवंबर को भी श्री मिश्रा गुजरात प्रवास पर रहेंगे।

पाटीदार संस्थाओं के विरोध की बात गलत : हार्दिक

अहमदाबाद (ईएमएस)। पाटीदार समाज की छह संस्थाओं द्वारा हार्दिक पटेल की आरक्षण के मुद्दे पर आलोचना किए जाने के बाद पाटीदारों को ओबीसी के तहत आरक्षण दिए जाने के लिए आंदोलन कर रहे हार्दिक पटेल ने इन संस्थाओं के विरोध को बेबुनियाद बताते हुए दावा कि सभी संस्थाएं इस मुद्दे पर उनके साथ हैं। पाटीदार अनामत आंदोलन समिति (पास) के नेता हार्दिक पटेल ने कहा धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने मेरे खिलाफ कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के इस मुद्दे पर विरोधी होने का यह अर्थ नहीं है कि समाज में दरार पड़ गई है। इस मुद्दे पर सभी ट्रस्टों ने मेरा विरोध नहीं किया है।

गुजरात की जनता को धीरे धीरे भाने लगे हैं कांग्रेस के युवराज

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में चुनावी सरगर्मियों के बीच कांग्रेस के लिए अच्छी खबर यह है कि उसके युवराज धीरे धीरे राज्य की जनता को अच्छे लगने लगे हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी नाम से कम युवराज के नाम से ज्यादा जाने जाते हैं और पिछले काफी समय से इस इमेज से बाहर निकलने का प्रयास भी कर रहे हैं और इसमें उन्हें सफलता भी मिल रही है। गुजरात में राहुल गांधी की लोकप्रियता में धीरे धीरे इजाफा हो रहा है। विभिन्न चुनाव प्रचार और भाषणों में उनकी शैली को लेकर उनका मजाक उड़ाया जाता है। राजनीतिक क्षेत्र में सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चुटकलें राहुल गांधी को लेकर होते हैं। इसके बावजूद हिम्मत हारे बगैर राहुल गांधी कार्यशैली पर अड़े रहे और आज लोगों में उनके प्रति सम्मान बढ़ रहा है। राहुल गांधी क्या कहना चाहतें है वह जानने की लोगों में रुचि है। चुनाव प्रचार के दौरान जनसभा और भरुच के रोड शो में दिखी भीड़ राहुल गांधी की बढती लोकप्रियता का सबूत है। कांग्रेस युवा नेता के तौर पर जिस राहुल गांधी का वषी से प्रचार कर रही है वह युवा नेता आखिरकार युवराज की छवि से बाहर निकलकर जनता को देख रहे हैं। कुछ महीने पर जब राहुल गांधी बाढ़ प्रभावित उत्तरी गुजरात के गांवों में पहुंचे थे तब उनके सामने ही मोदी मोदी के नारे लगे थे। इसके बावजूद राहुल डटे रहे। इसी का नतीजा है जो कभी राहुल गांधी का उपहास कर रहे थे वही आज उनके साथ सेल्फी लेने को बेताब नजर आ रहे हैं। रोड शो के दौरान युवती के साथ सेल्फी की घटना हो या वापी की सामान्य होटल में लोगों के साथ बैठकर कढी-खिचड़ी खाना हो, राहुल गांधी ने सभी दिलों स्थान पाने का रास्ता खोज लिया है। पहले लोग भी राहुल गांधी के साथ तस्वीरें खिंचवाते थे, लेकिन गुजरात में उनके प्रति इतना सम्मान नहीं था। आज धीरे धीरे हालात बदल रहे हैं। ट्वीटर पर राहुल गांधी की स्ट्रेटेजी में खासा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। राहुल गांधी आज नरेन्द्र मोदी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं को मात दे रहे हैं। कुल मिलाकर भाजपा द्वारा बनाई गई युवराज की छवि को तोड़ने में राहुल गांधी धीरे धीरे कामियाब होते दिख रहे हैं।

भाजपा में शामिल अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं ने चुनाव में की टिकट की मांग

गुजरात में भाजपा मुस्लिमों को टिकट देने को लेकर पशोपेश में

अहमदाबाद (ईएमएस)। भाजपा में शामिल अल्पसंख्यक मोर्चा के कुछ कार्यकर्ताओं ने विधानसभा चुनावों में कई सीटों की मांग की है। 2012 के चुनावों में बीजेपी ने एक भी मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया था। गुजरात का चुनावी मैदान सज चुका है। टिकट के लिए पार्टी आलाकमान के दर पर नेताओं का जमावड़ा लग रहा है तो वहीं पार्टी स्थानीय समीकरण और अपने एजेंडे के तहत विचार कर रही है। साल 2011 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी छवि बदलने के प्रयासों के तहत अल्पसंख्यक मुस्लिमों को आकर्षित करने के इरादों से सद्भावना मिशन की शुरुआत की थी, जिसमें मुस्लिम भी बड़ी संख्या में उमड़े थे। हालांकि यह मिशन अगले ही वर्ष फेल हो गया जब 2012 के चुनावों में बीजेपी ने एक भी मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया। अब 5 सालों के बाद मुस्लिम नेता कुछ असली सद्भावना की तलाश में लगे हुए हैं। भाजपा में शामिल अल्पसंख्यक मोर्चा के कुछ लोगों ने आगामी विधानसभा चुनावों में कई सीटों की मांग की है। मुस्लिम नेताओं ने जमालपुर-खडिया, वेजालपुर, वागरा, वान्कानेर, भुज, अबदासा सीटों के लिए सीटों की मांग की है। लेकिन इतिहास देखें तो बीजेपी ने अभी तक किसी विधानसभा चुनाव में मुसलमान उमीदवार खड़ा नहीं किया, लेकिन इस बार उम्मीद है कि बीजेपी मुस्लिम चेहरे को मैदान में उतार सकती है।

सट्टा बाजार भी भाजपा की विजय के प्रति आशावान

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर ऑपिनियन पोल के बाद अब सट्टा बाजार ने भी भविष्यवाणी कर दी है। ऑपिनियन पोल के मुताबिक सट्टा बाजार में भी भाजपा की जीत का दावा किया जा रहा है। चुनाव के दौरान हमेशा सट्टा बाजार भी सक्रिय हो जाता है। क्रिकेट मैच के दौरान भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। इस बार गुजरात विधानसभा में सट्टा बाजार का अहमियत काफी बढ़ गई है। क्योंकि दो दशक के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हैं। जिससे भाजपा के लिए गुजरात विधानसभा चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। दूसरी ओर कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी भी नए अंदाज में दिखाई दे रहे हैं और लोगों को आकर्षित करने में सफल भी हो रहे हैं। कुछ दिन पहले न्यूज चैनल के ऑपियन पोल में भाजपा के विजय की संभावना जताई गई थी। अब चुनाव तारीखों के ऐलान के साथ सट्टा बाजार में तेजी आ गई है।

राहुल पहुंचे रेस्तरां, उठाया काठियावाड़ी खाने का लुत्फ

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में नवसृजन यात्रा निकाल रहे कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी गुरुवार की रात वापी के सर्किट हाउस पहुंचे और वहां रेस्तरां में आम लोगों के साथ बैठकर काठियावाड़ी खाने का लुत्फ उठाया। रेस्तरां में अपने बीच राहुल गांधी को देखकर वहां मौजूद लोग आश्चर्य से भर गए और विडियो बनाने लगे। राहुल गांधी को खाना बेहद पसंद आया। उन्होंने रेस्तरां के रसोई में जाकर खाना बनाने वाले कुक के परिवार वालों से भी मुलाकात की और सेल्फी खिंचवाई। राहुल गांधी से मिलकर कुक का पूरा परिवार खुश हो गया। बता दें, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गुजरात दौरे पर निकले कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को वापी पहुंचे। उन्होंने वहां राज्य और केंद्र की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार सिर्फ चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है और राज्य के 30 लाख युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी का सच यह है कि उसने टाटा को नैनो बनाने के लिए 33 हजार करोड़ रुपये दे दिया, लेकिन एक भी गाड़ी सड़क पर देखने को नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि नैनो से गुजरात की जनता को सुई की नोंक के बराबर भी फायदा नहीं हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com